बायो-डायवर्सिटी पार्क बनेगा ईको टूरिज्म का केंद्र

जागरण संवाददाता • लखनऊ : सहारा से वापस ली गई जमीन पर बायो डायवर्सिटी पार्क बनाने की तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं। इस पार्क को जमीन पर उतारने के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने चार प्रस्तुतीकरण देखे हैं। इसमें कुछ प्रस्तुतीकरण अच्छे भी लगे हैं, लेकिन कहां पर क्या सुधार हो सकता है, इस पर मंथन चल रहा है। जल्द ही यह तय हो जाएगा कि इस परियोजना का स्वरूप क्या होगा और इस पर कौन सी कंपनी काम करेगी।

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने पिछले दिनों गोमती नगर में सहारा ग्रुप से 75 एकड़ जमीन वापस ली थी। इस जमीन पर एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बायो डाइवर्सिटी पार्क बनाने के लिए डीपीआर तैयार कराने के निर्देश दिए थे। दरअसल, लखनऊ में अभी कोई बायो डायसवर्सिटी पार्क नहीं है। ऐसे में यह पहला पार्क होगा, जो लखनऊ को नई पहचान भी देगा। जिस जमीन पर इस परियोजना को बनाने की तैयारी है, वहां पर अभी कुछ जगहों पर अतिक्रमण है तो कुछ जगह कूड़ा डंप है। इसे भी हटाने की तैयारी कर ली गई है। बायो-डायवर्सिटी पार्क को पक्षियों के प्राकृतिक निवास के हिसाब से ही विकसित करने की योजना है। यही वजह है कि यहां न केवल फलदार पौधे, बल्कि औषधीय और बटरफ्लाई गार्डन भी तैयार किया जाएगा। इससे पक्षियों के लिए यहां पर भोजन का भी इंतजाम होगा। यहां घूमने वालों की यात्रा रोमांचक हो, इसके लिए यहां झील की खोदाई भी कराई जाएगी। इससे निकलने वाली मिट्टी को यहां पर पहाड़नुमा आकार दिया जाएगा। इसमें घास और हर्ब पौधे लगाकर प्राकृतिक रूप दिया जाएगा। गोमती नदी की बेसिन में पाए जाने वाले पौधों की विभिन्न प्रजातियां अब विलुप्त हो रही हैं। बायो-डायवर्सिटी पार्क में विकसित होने वाले वेट लैंड में इन पौधों को भी लगाया जाएगा। देसी व प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करने के लिए वेट लैंड में पेड़ लगाने की भी योजना है।

75 एकड़ जमीन सहारा से ली गई थी वापस, अब बनेगा पार्क

4 प्रस्तुतीकरण देखकर रूपरेखा बना रहा लखनऊ विकास प्राधिकरण

6 गोमती नगर में सहारा ग्रुप से 75 एकड़ जमीन वापस ली गई है। इसमें शहर का पहला बायो-डायवर्सिटी पार्क बनेगा, जिसमें देसी व प्रवासी पक्षियों के लिए विभिन्न जोन में नेचुरल वेट लैंड विकसित किए जाएंगे।

– **प्रथमेश** कुमार, उपाध्यक्ष, लविप्रा

लोटस पार्क भी होगा आकर्षक

पार्क की खासियत लोटस पार्क होगा। इसके लिए तालाब की खोदाई करवाई जाएगी। इसके अलावा पार्क को रिजर्व फारेस्ट के रूप में संरक्षित कर नेचुरल इंटरप्रिटेशन सेंटर भी बनाया जाएगा। सेंटर में फील्ड बायोलाजिस्ट की तैनाती की जाएगी। ये बायोलाजिस्ट पार्क में घूमने आने वाले छात्र-छात्राओं को पौधों, पक्षियों, जीव-जंतुओं व कीट-पतंगों के साथ ही जैव विविधता के बारे में भी बताएंगे। यह पार्क ईको-टूरिज्म के साथ ही शैक्षिक जानकारियां भी देगा।